UP BOARD CLASS 12 HINDI GENERAL PAPER 1 2018

उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 12वीं सामान्य हिन्दी prप्रथम प्रश्नपत्र 2018

अनुक्रमांक मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 4

304(AS)

2018

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

(केवल वैज्ञानिक वर्ग तथा व्यावसायिक शिक्षा के परीक्षार्थियों के लिए)

समयः तीन घण्टे 15 मिनट) (पूर्णांक: 50

निर्देशः प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

1. (क) 'चिन्तामणि' के रचनाकार हैं (1)

(1) प्रेमचन्द (2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (3) महादेवी वर्मा (4) जयशंकर प्रसाद।

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' किस विधा की रचना है? (1)

(1) कहानी (2) जीवनी (3) आत्मकथा (4) संस्मरण।

(ग) 'भूले-बिसरे चेहरे' रेखाचित्र के रचयिता हैं (1)

(1) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (2) अमृतराय (3) महावीर प्रसाद द्विवेदी (4) राजेन्द्र यादव।

(घ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं (1)

(1) मोहन राकेश (2) अज्ञेय (3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) हरिशंकर परसाई।

(ड.) निम्नलिखित में से किस निबन्ध-संग्रह की रचना हरिशंकर परसाई द्वारा की गई है? (1)

(1) पगडण्डियों का जमाना (2) क्षण बोले कण मुस्काए (3) चिन्तामणि (4) बाजे पायलिया के घुँघरू।

2. (क) 'आँगन के पार-द्वार' रचना है। (1)

(1) जयशंकर प्रसाद की (2) महादेवी वर्मा की (3) अज्ञेय की (4) सुमित्रानन्दन पंत की।

(ख) हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए चारण काल नाम दिया है। (1)

(1) राहुल सांकृत्यायन ने (2) रामचन्द्र शुक्ल ने (3) रामकुमार वर्मा ने (4) डॉ. नगेन्द्र ने।

(ग) 'लहर' के रचनाकार हैं (1)

(1) जयशंकर प्रसाद (2) गिरिजा कुमार माथुर (3) हरिवंशराय बच्चन (4) सुमित्रानन्दन पंत।

(घ) निम्नलिखित में 'नई कविता' के कवि हैं। (1)

(1) जयशंकर प्रसाद (2) रामधारी सिंह दिनकर (3) जगन्नाथदास रत्नाकर (4) सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

(ड.) हिन्दी साहित्य के किस काल को 'पूर्व-मध्य काल' कहा जाता है? (1)

(1) आदिकाल (2) भक्तिकाल (3) रीतिकाल (4) आधुनिक काल।

(3) (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः (2+5=7)

(1) पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र-संवर्धन का स्वाभावित प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

(2) रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज़ मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परंपरागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जनचेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः (1+2=3)

(1) संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है।

(2) ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है।

(3) मन बहुत बेचैन था- बिना पूरी तरह भीगे सूखती मिट्टी की तरह।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2+5=7)

(1) दुःख की पिछली रजनी बीच

विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए है जिसमें सुख गात।
(2) है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार,
पर नहीं अब तक सुशीतल हो सका संसार।
भोग-लिप्सा आज भी लहरा रही उद्याम,
बह रही असहाय नर की भावना निष्काम।
(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिएः (1+2=3)
(1) दुर्बलता का ही चिन्ह विशेष शपथ है।
(2) काल को नहीं किसी की लाज।
(3) पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला।

5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिएः (2+2=4)
(1) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (2) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी (3) हरिशंकर परसाई।

6. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिएः (2+2=4)
(1) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (2) जयशंकर प्रसाद (3) महादेवी वर्मा।

7. (क) 'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (4)
अथवा
'धुरवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के कथानक की विवेचना कीजिए।
(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिएः (4)
(1) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर सुनन्दा का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा
'कुहासा और किरण' नाटक के पहले अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(2) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(3) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'द्रौपदी-स्वयंवर' का वर्णन कीजिए।

(4) 'गरुडध्वज' नाटक के दूसरे अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(5) 'राजमुकट' नाटक के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के नायक की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (4)

(1) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर स्वतंत्रता संग्राम का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषतायें लिखिए।

(2) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(3) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(4) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(5) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(6) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथा लिखिए।

अथवा

‘त्यागपथी’ के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए।